



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 164]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 19, 2005/चैत्र 29, 1927

No. 164]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 19, 2005/CHAITRA 29, 1927

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 2005

सं. 11/2005—सेवा-कर

सा.का.नि. 239(अ).—सेवा निर्यात नियम, 2005 के नियम 5 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त नियम' कहा गया है) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जहां तक यह नेपाल और भूटान को छोड़कर अन्य देशों को करादेय सेवाओं को निर्यात से संबंधित है, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निर्देश करती है कि नेपाल और भूटान को छोड़कर अन्य देशों को निर्यातित सभी करादेय सेवाओं, जो कि उक्त नियम के नियम 3 के अंतर्गत निर्यात की गई हैं, पर चुकाये गए सेवाकर और उपकर पर इसके पश्चात विनिर्दिष्ट शर्तों, परिसीमाओं और प्रक्रिया के पूर्ति के अधीन रिवेट प्रदान किया जायेगा,-

2. शर्तें और परिसीमाएं :

- (क) कि करादेय सेवाएं उक्त नियम के नियम 3 के अंतर्गत निर्यात की गई हैं और इन निर्यातित करादेय सेवाओं के लिए संदाय संपरिवर्तनीय विवेदी मुद्रा में प्राप्त किया गया है;
- (ख) कि करादेय सेवाओं पर सेवाकर और उपकर, जिनका रिवेट मांगा गया है, चुका दिया गया है;
- (ग) कि सेवाकर और उपकर पर मांगे गए रिवेट की राशि पांच सौ रुपये से कम नहीं है; और
- (घ) ऐसी स्थिति में, कि,-

- (i) सेवाकर और उपकर, जिनपर रिवेट मांगा गया है, चुकाया नहीं गया है; या
- (ii) जिन करादेय सेवाओं पर रिवेट मांग गया है उनका निर्यात नहीं हुआ है,

तो जो रिवेट दे दिया गया है, वित्तीय अधिनियम 1994 (1994 का 32) की धारा 73 और धारा 75 के अधीन, यह मानते हुए वापस लिया जायेगा, जैसे कि करादेय सेवाओं पर सेवाकर और उपकर चुकाया नहीं गया है।

3. प्रक्रियाएं-

- (क) रिवेट के लिए दावा प्रस्तुत करना:

(i) निर्यातित करादेय सेवाओं पर चुकाए गए सेवाकर और उपकर के रिवेट का दावा, यथास्थिति, उस अधिकार क्षेत्र के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क उपायुक्त को किया जायेगा;

(ii) यह दावा निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ किया जायेगा,-

(क) निर्यातित करादेय सेवाएं जिन पर रिवेट मांगा गया है पर इन सेवाओं के लिए प्राप्त किया गया संदाय, एवं सेवाकर और उपकर जमा करने का प्रमाण;

(ख) घोषणा पत्र कि ऐसी करादेय सेवाएं जिन पर सेवाकर और उपकर का रिवेट मांग गया है, उक्त नियम के नियम 3 के अंतर्गत निर्यातित की गई हैं, और ऐसी करादेय सेवाओं के निर्यात का प्रमाण।

(ख) अधिकार क्षेत्र के, यथास्थिति केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क उपायुक्त द्वारा अगर यह समाधन हो जाता है कि रिवेट का दावा सही है तो वह पूर्णतः या भागतः रिवेट मंजूर करेगा।

स्पष्टीकरण:- इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए “सेवाकर और उपकर” से अभिप्रेत है कि,-

(क) वित्त अधिनियम 1994 की धारा 66 के अधीन जमा किया गया सेवाकर; और

(ख) वित्त अधिनियम 2004 (2004 का 23) की धारा 91 के साथ पठित धारा 95 के अंतर्गत करादेय सेवाओं पर लगाया गया शिक्षा उपकर।

[फा. सं. बी 2/4/2004-टीआरयू]

वि. शिवसुब्रमण्यन, उप सचिव

अनुबंध

प्रारूप ए एस टी आर/1

(निर्यातित करादेय सेवाओं पर जमा किए गए सेवाकर और उपकर के रिवेट के लिए आवेदन)

(भाग क: आवेदक द्वारा भरा जाने के लिए)

तारीख

स्थान.....

सेवा में,

सहायक आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/उपायुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क.....(पूर्ण पता)

महोदय/महोदया

मैं/हम....., (रिवेट मांगने वाले व्यक्ति का नाम) जिसका सेवाकर पंजीकरण संख्याहै, और मेरा/हमारा पूर्ण पता.....है यह घोषणा करता हूं कि मेरे द्वारासेवा (करादेय सेवा का नाम) का सेवा निर्यात नियम, 2005 के नियम 5 के अंतर्गत निर्यातदेश (जिस देश को सेवा का निर्यात किया गया है उसका नाम) को किया है और उस परसेवाकर (जमा किए गए सेवाकर की राशि) और करादेय सेवाओं पर लगाया गया शिक्षा उपकर.....(जमा किए गए उपकर की राशि) का भुगतान किया है।

2. मैं/हम यह घोषणा भी करता हूं कि निर्यात की गई करादेय सेवाओं पर पूर्ण राशि भारत में प्राप्त की जा चुकी है(प्राप्त की गई राशि का विवरण)।

3. मैं/हम यह आवेदन करता हूं कि निर्यातित करादेय सेवाओं जिनका निर्यात सेवा नियम 2005 के अंतर्गत किया गया है, का रिवेट का आवंटन शीघ्र किया जाये। मांगे गए रिवेट के संबंध में निम्नलिखित दस्तावेज दिए जा रहे हैं :

तारीख

(सेवा प्रदाता या उसके द्वारा अधिकृत एजेंट का नाम और हस्ताक्षर)

(भाग ख: रिबेट अदाकर्ता द्वारा भरा जाने के लिए)

रिबेट क्लेम प्राप्त करने की तारीख:

रिबेट क्लेम की स्वीकृति की तारीख:

मांगी गई रिबेट की राशि: रुपये

अदा किए गए रिबेट की राशि: रुपये

अगर मांगे गए रिबेट के विधान का कार्य आदेवक की प्रार्थना के 15 दिन के भीतर नहीं किया गया है तो विलंब का कारण स्पष्ट करें :

स्थान:

तारीख:

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक/उपायुक्त के हस्ताक्षर)

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 19th April, 2005

No. 11/2005-Service Tax

G.S.R. 239(E).—In exercise of the powers conferred by rule 5 of the Export of Service Rules, 2005 (hereinafter referred to as the said rules), insofar as it relates to export of taxable services to the countries other than Nepal and Bhutan, the Central Government hereby directs that there shall be granted rebate of the whole of the service tax and cess paid on all taxable services exported in terms of rule 3 of the said rules, to any country other than Nepal and Bhutan, subject to the conditions, limitations and procedures specified hereinafter,-

2. **Conditions and limitations:-**

- (a) that the taxable service has been exported in terms of rule 3 of the said rules and payment for export of such taxable service has been received in India in convertible foreign exchange;
- (b) that the service tax and cess, rebate of which has been claimed, have been paid on the taxable service exported;
- (c) the amount of rebate of service tax and cess admissible is not less than five hundred rupees; and
- (d) that in case,-
 - (i) the service tax and cess, rebate of which has been claimed, have not been paid; or
 - (ii) the taxable service, rebate on which has been claimed, has not been exported,

the rebate paid, if any, shall be recoverable with interest as per the provisions of section 73 and section 75 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994) as if no service tax and cess have been paid on such taxable service.

3. **Procedure:-**(a) **Presentation of claim for rebate:-**

- (i) claim of rebate of service tax and cess paid on all taxable services exported shall be filed with the jurisdictional Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be;
- (ii) such application shall be accompanied by,-
 - a. documentary evidence of receipt of payment against taxable service exported and for which rebate is claimed, payment of service tax and cess on such taxable service exported;
 - b. a declaration that such taxable service, rebate of service tax and cess paid on such service is claimed, has been exported, in terms of rule 3 of the said rules, along with the documents evidencing the export of such taxable service;

(b) The jurisdictional Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, if satisfied that the claim is in order, shall sanction the rebate either in whole or in part.

Explanation.—“service tax and cess” for the purposes of this notification means,—

(a) service tax leviable under section 66 of the Finance Act, 1994; and
 (b) education cess on taxable services levied under section 91 read with section 95 of the Finance (No.2) Act, 2004 (23 of 2004).

[F. No. B 2/4/2004-TRU]

V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

ANNEXURE

FORM ASTR-1

(Application for filing a claim of rebate of service tax and cess paid on taxable services exported)
(PART A: To be filled by the applicant)

Date.....
 Place.....

To,
 Assistant Commissioner of Central Excise/Deputy Commissioner of Central
 Excise(full postal address).

Madam/Sir,

I/We.....,(name of the person claiming rebate) holding service tax registration No., located in..... (address of the registered premises) hereby declare that I/We have exported service (name of the taxable service) under rule 5 of the Export of Service Rules, 2005 to(name of the country to which service has been exported), and on which service tax amounting to (amount in rupees of service tax) and education cess amounting to (amount in rupees of cess) has been paid.

2. I/We also declare that the payment against such service exported has already been received in India in full..... (details of receipt of payment).

3. I/We request that the rebate of the taxable service exported by me/us in terms of rule 3 of the Export of Service Rules, 2005 may be granted at the earliest. The following documents are enclosed in support of this claim for rebate.

- 1.
- 2.
- 3.

(Signature and name of the service provider or his authorised agent with date.)

(PART B: To be filled by the sanctioning authority)

Date of receipt of the rebate claim: _____

Date of sanction of the rebate claim: _____

Amount of rebate claimed: Rs. _____

Amount of rebate sanctioned: Rs. _____

If the claim is not processed within 15 days of the receipt of the claim, indicate briefly reasons for delay:

Place:

Date:

Signature of the Assistant Commissioner/ Deputy Commissioner of Central Excise.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 2005

सं. 12/2005-सेवा-कर

सा.का.नि. 240(अ).— सेवा निर्यात नियम, 2005 के नियम 5 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त नियम' कहा गया है) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जहां तक यह नेपाल और भूटान को छोड़कर अन्य देशों को करादेय सेवाओं को निर्यात से संबंधित है, केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा निर्देश करती है कि नेपाल और भूटान को छोड़कर अन्य देशों को निर्यातित सभी करादेय सेवाओं, जो कि उक्त नियम के नियम 3 के अंतर्गत निर्यात की गई हैं, इन निर्यातित करादेय सेवाओं को प्रदान करने के प्रयोग में लाए गए निवेश पर चुकाये गए शुल्क और निवेश सेवाओं पर चुकाये गए सेवाकर और उपकर पर इसके पश्चात विनिर्दिष्ट शर्तों, परिसीमाओं और प्रक्रिया के पूर्ति के अधीन रिवेट प्रदान किया जायेगा,-

2 शर्तें और परिसीमाएं :

(क) कि करादेय सेवाएं उक्त नियम के नियम 3 के अंतर्गत निर्यात की गई हैं और इन निर्यातित करादेय सेवाओं के लिए संदाय संपरिवर्तनीय विदेशी मुद्रा में प्राप्त किया गया है;

(ख) कि निवेश पर चुकाये गए शुल्क, जिसका रिवेट माना गया है, चुका दिया गया है;

(ख) कि करादेय सेवाओं पर सेवाकर और उपकर, जिनका रिवेट मांगा गया है, चुका दिया गया है;

(ग) कि शुल्क, सेवाकर और उपकर पर मांगे गए रिवेट की कुल राशि पांच सौ रुपये से कम नहीं है;

(घ) कि जिन निवेश और निवेश सेवाओं पर रिवेट मांगा गया है उन पर सेनवेट प्रत्यय नहीं दिया गया है ;
और

(घ) कि अगर,-

- (i) शुल्क, सेवाकर और यथास्थिति उपकर, जिनपर रिवेट मांगा गया है, चुकाया नहीं गया है; या
- (ii) जिन करादेय सेवाओं पर रिवेट मांग गया है उनका निर्यात नहीं हुआ है; या
- (iii) निवेश और निवेश सेवाएं जिन पर रिवेट मांगा गया है, उन पर सेनवेट प्रत्यय लिया गया है,
ऐसी स्थिति में जो रिवेट दे दिया गया है, वित्तीय अधिनियम 1994 (1994 का 32) की धारा 73 और
धारा 75 के अधीन यह मानते हुए वापस लिया जायेगा जैसे कि करादेय सेवाओं पर सेवाकर और उपकर चुकाया
नहीं गया है ।

3. प्रक्रियाएं-

3.1 घोषणा का फाइल किया जाना- करादेय सेवाओं को निर्यात करने वाले प्रदाता, करादेय सेवाओं के निर्यात की तारीख से पहले, अधिकार क्षेत्र के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क उपायुक्त के समक्ष एक घोषणा फाइल करेंगे जिसमें निर्यात की जाने वाली करादेय सेवाओं के साथ निम्नलिखित घोषणाएं की जायेंगी,-

(क) करादेय सेवाओं के निर्यात में प्रयोग किए जाने वाले निवेश का विवरण, मात्रा, मूल्य, शुल्क दर और इन निवेशों पर देय शुल्क;

(ख) करादेय सेवाओं के निर्यात में प्रयोग की जाने वाली निवेश सेवाओं का विवरण, मूल्य और इन निवेश सेवाओं पर देय सेवाकर और उपकर ।

1260917 2005-2

3.2 घोषणा का सत्यापन - केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क उपायुक्त, ऐसी करादेय सेवाओं के निर्यात के प्रारंभ से पूर्व, यदि आवश्यक हो फाइल की गई घोषणा में उल्लिखित निवेश और निवेश सेवाओं के अनुपात की सत्यता का सत्यापन करेगा, जिसमें वह आवश्यक समझने पर उपायुक्त जानकारी मंगाएगा एवं निवेश के नमूनों का निरीक्षण करेगा, और यदि ऐसे सत्यापन के पश्चात केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क उपायुक्त का यह समाधान हो जाता है कि शुल्क, सेवाकर या उपकर के अपवंचन की कोई संभावना नहीं है तो वह फाइल की गई घोषणा को स्वीकृत करेगा ।

3.3 सामग्री और निवेश सेवाओं का उपापन - करादेय सेवाओं का प्रदाता,-

(i) करादेय सेवाओं के निर्यात में प्रयोग किए जाने वाले निवेशों को सीधे रजिस्ट्रीकृत कारखाने या मूल्य वर्धित कर प्रत्यंय नियमावली, 2004 के अंतर्गत रजिस्ट्रीकृत डीलर से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 के अधीन प्रेषित बीजक के अधीन प्राप्त करेगा ; या

(ii) करादेय सेवाओं के निर्यात में प्रयोग किए जाने वाली निवेश सेवाओं को सेवाकर नियमावली, 1994 के अधीन प्रेषित बीजक, बिल या यथास्थिति चालान के साथ प्राप्त करेगा ।

3.4 रिवेट के लिए दावा प्रस्तुत करना:-

(i) निवेशों पर चुकाए गए शुल्क, और निवेश सेवाओं पर चुकाए गए सेवाकर और उपकर के रिवेट का दावा, करादेय सेवाओं के निर्यात के पश्चात, यथास्थिति, अधिकार क्षेत्र के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क उपायुक्त को किया जायेगा;

(ii) यह दावा निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ किया जायेगा,-

(क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 के अधीन प्रेषित बीजक और सेवाकर नियमावली, 1994 के अधीन प्रेषित बीजक, बिल या, यथास्थिति चालान जिन पर रिवेट मांगा गया है ;

(ख) निर्यातित करादेय सेवाएं जिन पर रिवेट मांगा गया है इन सेवाओं के लिए प्राप्त किया गया संदाय, निवेशों पर जमा किए गए शुल्क और निवेश सेवाओं पर जमा किया गया सेवाकर और उपकर का प्रमाण;

(ग) घोषणा पत्र कि ऐसी करादेय सेवाएं उक्त नियम के नियम 3 के अंतर्गत निर्यातित की गई हैं और ऐसी करादेय सेवाओं के निर्यात का प्रमाण ।

(ख) अधिकार क्षेत्र के, यथास्थिति केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक आयुक्त या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क उपायुक्त द्वारा अगर यह समाधान हो जाता है कि रिवेट का दावा सही है तो वह पूर्णतः या भागतः रिवेट मंजूर करेगा ।

स्पष्टीकरण 1- इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए “ सेवाकर और उपकर” से अभिप्रेत है कि,-

(क) वित्त अधिनियम 1994 की धारा 66 के अधीन जमा किया गया सेवाकर; और

(ख) वित्त अधिनियम 2004 (2004 का 23) की धारा 91 के साथ पठित धारा 95 के अंतर्गत करादेय सेवाओं पर लगाया गया शिक्षा उपकर ।

स्पष्टीकरण 2 - इस अधिसूचना के प्रयोजना के लिए “ शुल्क” से अभिप्रेत है, निम्नलिखित अधिनियमितियों के अधीन संग्रहीत उत्पाद शुल्क अर्थातः-

(क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1);

(ख) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58);

(ग) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (टैक्सटाइल्स और टैक्सटाइल्स वस्तुएं) अधिनियम, 1978 (1978 का 40);
 (घ) वित्त अधिनियम, 2003 (2003 का 32) की धारा 169, और आगे वित्त अधिनियम, 2004 (2004 का 13) की धारा 3 द्वारा संशोधित किया गया था, द्वारा यथा संशोधित वित्त अधिनियम, 2001 (2001 का 14) की धारा 136 के तहत उदग्रहणीय राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता शुल्क;
 (ङ) किसी वित्त अधिनियम के तहत संग्रहीत कोई विशेष उत्पाद शुल्क;
 (च) वित्त अधिनियम 2003 (2003 का 32) की धारा 157 के तहत उदग्रहणीय अतिरिक्त उत्पाद शुल्क;
 (छ) वित्त (सं. 2) अधिनियम, 2004 की धारा 93 के साथ पठित धारा 91 के तहत उत्पाद शुल्केय माल पर उदग्रहणीय शिक्षा उपस्कर ; और
 (ज) वित्त विधेयक, 2005 के खंड 85 के तहत उदग्रहणीय अतिरिक्त उत्पाद शुल्क जिसका, प्रोविजनल कलेक्शन कर अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अंतर्गत वित्त विधेयक में की गई घोषणा का विधि के समान प्रभाव है ।

[फा. सं. बी 2/4/2004-टीआरयू]

वि. शिवसुब्रमण्यन, उप सचिव

अनुबंध

प्रारूप ए एस टी आर/2
 (निवेशों पर जमा किए गए शुल्क और निवेश सेवा पर जमा किए गए सेवाकर और उपकर के रिवेट के लिए आवेदन)
 (भाग क: आवेदक द्वारा भरा जाने के लिए)

तारीख

स्थान

सेवा में,

सहायक आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/उपायुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क.....(पूर्ण पता)

महोदय/महोदया

मैं/हम....., (रिवेट मांगने वाले व्यक्ति का नाम) जिसका सेवाकर पंजीकरण संख्या 5 के अंतर्गत निर्यात है, और मेरा/हमारा पूर्ण पता.....है यह घोषणा करता हूँ कि मेरे द्वारासेवा (करादेय सेवा का नाम) का सेवा निर्यात नियम, 2005 के नियम किये गए सेवाओं के प्रयोग में लाए जाने वाले निवेश/सेवाओं पर सेवाकर (जमा निवेशों परशुल्क (जमा किए गए शुल्क की राशि) और शिक्षा उपकर(जमा किए गए उपकर की राशि) और

2. मैं/हम यह घोषणा भी करता हूँ कि निर्यात की गई करादेय सेवाओं पर पूर्ण राशि भारत में प्राप्त की जा चुकी है(प्राप्त की गई राशि का विवरण) ।

3. मैं/हम यह आवेदन करता हूं कि निर्यातित करादेय सेवाओं जिनका निर्यात सेवा नियम 2005 के अंतर्गत किया गया है, में प्रयोग लाए गए निवेशों पर जमा किए गए शुल्क और निवेश सेवाओं पर जमा किए गए सेवाकर और उपकर का रिवेट का आवंटन शीघ्र किया जाये। मांगे गए रिवेट के संबंध में निम्नलिखित दस्तावेज दिए जा रहे हैं :

- 1.
- 2.
- 3.

घोषणा:-

(क) हम यह घोषणा करते हैं कि हमने निवेशों और निवेश सेवाओं, जिनका रिवेट मांगा गया है, पर सेनवेट प्रत्यय नहीं लिया है।

(ख) हमें अधिसूचना सं0 तारीख....., के अंतर्गत कार्य करने की अनुमति केन्द्रीय उत्पाद सहायक आयुक्त और केन्द्रीय उत्पाद उपायुक्त के प्रपत्र सं0 तारीख.....द्वारा प्रदान की गई है।

तारीख

(सेवा प्रदाता या उसके द्वारा अधिकृत एजेंट का नाम और हस्ताक्षर)

(भाग ख: रिवेट अदाकर्ता द्वारा भरा जाने के लिए)

रिवेट व्लेम प्राप्त करने की तारीख:

रिवेट व्लेम की स्वीकृति की तारीख:

मांगी गई रिवेट की राशि: रुपये

अदा किए गए रिवेट की राशि: रुपये

अगर मांगे गए रिवेट के विधान का कार्य आदेवक की प्रार्थना के 15 दिन के भीतर नहीं किया गया है तो विलंब का कारण स्पष्ट करें :

स्थान:

तारीख:

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक/उपायुक्त के हस्ताक्षर)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th April, 2005.

No. 12/2005-Service Tax

G.S.R. 240(E).—In exercise of the powers conferred by rule 5 of the Export of Service Rules, 2005 (hereinafter referred to as the said rules), the Central Government hereby directs that there shall be granted rebate of the whole of the duty paid on excisable inputs or the whole of the service tax and cess paid on all taxable input services (herein after referred to as 'input services'), used in providing taxable service exported in terms of rule 3 of the said rules, to any country other than Nepal and Bhutan, subject to the conditions, limitations and procedures specified hereinafter,-

2. Conditions and limitations:-

- (a) that the taxable service has been exported in terms of rule 3 of the said rules and payment for export of such taxable service has been received in India in convertible foreign exchange;
- (b) that the duty, rebate of which has been claimed, has been paid on the inputs;
- (c) that the service tax and cess, rebate of which has been claimed, have been paid on the input services;
- (d) the total amount of rebate of duty, service tax and cess admissible is not less than five hundred rupees;
- (e) no CENVAT credit has been availed of on inputs and input services on which rebate has been claimed; and
- (f) that in case,-
 - (i) the duty or, as the case may be, service tax and cess, rebate of which has been claimed, have not been paid; or
 - (ii) the taxable service, rebate for which has been claimed, has not been exported; or
 - (iii) CENVAT credit has been availed on inputs and input services on which rebate has been claimed,

the rebate paid, if any, shall be recoverable with interest as per the provisions of section 73 and section 75 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994) as if no service tax and cess have been paid on such taxable service.

3. Procedure:-

3.1. Filing of declaration.— The provider of taxable service to be exported shall, prior to date of export of taxable service, file a declaration with the jurisdictional Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, describing the taxable service intended to be exported with,-

- (a) description, quantity, value, rate of duty and the amount of duty payable on inputs actually required to be used in providing taxable service to be exported;
- (b) description, value and the amount of service tax and cess payable on input services actually required to be used in providing taxable service to be exported.

3.2. Verification of declaration.— The Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, shall verify the correctness of the declaration filed prior to such export of taxable service, if necessary, by calling for any relevant information or samples of inputs and if after such verification, the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy

1260 9272005-3

Commissioner of Central Excise is satisfied that there is no likelihood of evasion of duty, or as the case may be, service tax and cess, he may accept the declaration.

3.3 Procurement of input materials and receipt of input services.- The provider of taxable service shall,-

- (i) obtain the inputs required for use in providing taxable service to be exported, directly from a registered factory or from a dealer registered for the purposes of the CENVAT Credit Rules, 2004 accompanied by invoices issued under the Central Excise Rules, 2002;
- (ii) receive the input services required for use in providing taxable service to be exported and an invoice, a bill or, as the case may be, a challan issued under the provisions of Service Tax Rules, 1994.

3.4 Presentation of claim for rebate.-

- (a) (i) claim of rebate of the duty paid on the inputs or the service tax and cess paid on input services shall be filed with the jurisdictional Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after the taxable service has been exported;
- (ii) such application shall be accompanied by, –
 - a. invoices for inputs issued under Central Excise Rules, 2002 and invoice, a bill, or as the case may be, a challan for input services issued under Service Tax Rules, 1994 in respect of which rebate is claimed;
 - b. documentary evidence of receipt of payment against taxable service exported, payment of duty on inputs and service tax and cess on input services used for providing taxable service exported, rebate of which is claimed;
 - c. a declaration that such taxable service, has been exported in terms of rule 3 of the said rules, along with documents evidencing such export.
- (b) The jurisdictional Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, having regard to the declaration, if satisfied that the claim is in order, shall sanction the rebate either in whole or in part.

Explanation 1.— “service tax and cess” for the purposes of this notification means,-

- (a) service tax leviable under section 66 of the Finance Act, 1994; and
- (b) education cess on taxable service levied under section 91 read with section 95 of the Finance (No.2) Act, 2004 (23 of 2004).

Explanation 2.— “duty” for the purposes of this notification means, duties of excise leviable under the following enactments, namely:-

- (a) the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944);
- (b) the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957);
- (c) the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978);
- (d) National Calamity Contingent duty leviable under section 136 of the Finance Act, 2001 (14 of 2001), as amended by section 169 of the Finance Act, 2003 (32 of 2003), section 3 of the Finance Act, 2004 (13 of 2004) and further amended by clause 123 of the Finance Bill, 2005, which clause has the force of law by virtue of the declaration made under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931);
- (e) special excise duty collected under a Finance Act;
- (f) additional duty of excise as levied under section 157 of the Finance Act, 2003 (32 of 2003);
- (g) Education Cess on excisable goods as levied under section 91 read with section 93 of the Finance (No.2) Act, 2004 (23 of 2004); and
- (h) the additional duty of excise leviable under clause 85 of the Finance Bill, 2005, which has the force of law by virtue of the declaration made in the said Finance Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931).

[F. No. B 2/4/2004-TRU]

V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

ANNEXURE

FORM ASTR-2

(Application for filing a claim of rebate of duty paid on inputs, service tax and cess paid on input services)

(PART A: To be filled by the applicant)

Date.....

Place.....

To,
Assistant Commissioner of Central Excise/Deputy Commissioner of Central Excise(full postal address).

Madam/Sir,

I/We.....(name of the person claiming rebate) holding service tax registration No., located in..... (address of the registered premises) hereby declare that I/We have exported service (name of the taxable service) under rule 5 of the Export of Service Rules, 2005 to(name of the country to which service has been exported), and service tax amounting to (amount in rupees of service tax) and education cess amounting to (amount in rupees of cess) has been paid on input services and duty amounting to (amount in rupees of duty) has been paid on inputs.

2. I/We also declare that the payment against such service exported has already been received in India in full..... (details of receipt of payment).

3. I/We request that the rebate of the duty, service tax and cess on inputs and input services used in providing taxable service exported by me/us in terms of rule 3 of the Export of Service Rules, 2005 may be granted at the earliest. The following documents are enclosed in support of this claim for rebate.

- 1.
- 2.
- 3.

Declaration:

- (a) We hereby certify that we have not availed CENVAT credit on inputs and input services on which rebate has been claimed.
- (b) We have been granted permission by Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, vide C. No. _____, dated _____ for working under notification No. _____, dated _____.

(Signature and name of the service provider or his authorised agent with date)

(PART B: To be filled by the sanctioning authority)

Date of receipt of the rebate claim: _____

Date of sanction of the rebate claim: _____

Amount of rebate claimed: Rs. _____

Amount of rebate sanctioned: Rs. _____

If the claim is not processed within 15 days of the receipt of the claim, indicated briefly reasons for delay.

Place:

Date: Signature of the Assistant Commissioner/ Deputy Commissioner of Central Excise.